भारत-अमरीका के सम्बन्ध

2293. **श्री महेन्द्र सिंह लाठर :**
श्री सत्य प्रकाश मालवीय :

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अमरीका के सन्दर्भ में भारत की विदेश नीति इतनी खोखली साबित हुई है कि अमरीका भारत के टुकड़े-टुकड़े कर देने पर उतारू हैं ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि अमरीका में भारतीय राजदूत का पद काफी समय तक खाली पड़ा रहा और जब भारत ने अमरीका को इतना कम महत्व दिया तो उसकी प्रतिक्रिया में अमरीका ने भी काफी समय से भारत में कोई राजदूत नियुक्त नहीं किया है जिससे यह पता चलता है कि भारत के प्रति अमरीकी रुख मित्रवत नहीं है ;

(ग) यदि हां, तो भारत की इस बदतर स्थिति के लिए कौन जिम्मेदार है और सरकार अमरीका के साथ किस तरह के सम्बन्ध बनाये रखना चाहती है और क्या सरकार ने इस दिशा में कोई कार्यक्रम बनाया है ; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और इसका कार्यान्वयन कब तक किये जाने की संभावना है ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर० एल० भाटिया) : (क) जी नहीं । भारत-अमरीका संबंध बहुपक्षीय है और कुछ मामलों में विचारों में मतभेद होने के बावजूद, इनमें कई रचनात्मक और आपसी हित के तत्व हैं ।

(ख) अमरीका से भारत के भूतपूर्व राजदूत श्री आबिद हुसैन ने 6 जुलाई, 1992 को अपना कार्यभार छोड़ा था और हमारे वर्तमान राजदूत श्री एस०एस० रे ने 28 अक्तूबर, 1992 को अपना कार्यभार संभाला था । अमरीका के पिछले राजदूत श्री थामस पिकरिंग मार्च, 1993 में भारत से गए और अमरीकी प्रशासन ने अभी तक उनका उत्तराधिकारी नियुक्त नहीं किया है ।

(ग) और (घ) सरकार अमरीका सहित सभी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण, परस्पर सहयोग के और रचनात्मक संबंध बनाए रखना चाहती है । सरकार की नीति यह है कि द्विपक्षीय बातचीत के द्वारा आपस समझबूझ बढ़ाकर अमरीका के साथ रचनात्मक सहयोग बढ़ाया जाए ।

बंगाल की खाड़ी में अमरीकी जहाजों द्वारा कचरा फेंका जाना

2294. **डा० जिनेन्द्र कुमार जैन** : क्या **विदेश** मंत्री यह बताने कि कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 25 जनवरी, 1994 के "पायनियर" में "यू० एस०शिप डम्पिंग वेस्ट्स इन बे ऑफ बंगाल" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या अमरीकी जहाज बंगाल की खाड़ी मे प्रदूषण फैलाने की चेष्टा कर रहे है ;

(ग) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में तथ्य क्या हैं ;

(घ) क्या सरकार ने अमरीकी प्रतिनिधियों के साथ इस मामले में चर्चा की है; और

(ङ) यदि हां, तो कब और उस पर अमरीकी प्रतिनिधि की प्रतिक्रिया क्या है ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर० एल० भाटिया) : (क) जी हां ।

(ख) अमरीकी जहाजों द्वारा बंगाल की खाड़ी में विषाक्त अपशिष्ट फैंके जाने की भारतीय तट रक्षक द्वारा न कोई सूचना दी गई है और न उनके ध्यान मे आई है ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

(घ) प्रश्न नहीं उठता ।

(ङ) प्रश्न नहीं उठता ।

US President is concern on human right violation in Kashmir

2295. **SHRI RAMDAS AGARWAL:** Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government of India's attention has been drawn to a news item published in the *Hindustan Times* dated 16-2-94 captioned "Clinton shares" Pakistan concern about human rights abuses in Kashmir" when the President of the United States to the newly appointed Pakistan Ambassador, Dr.

Maleena Lodhi, on the occasion of presentation of credentials in Washington on 15th February, 1994;

(b) whether Government's attention has also been drawn to the reported speech of Pak Ambassador on the same occasion that Kashmir issue was "Worthy of the new global agenda to which both our (PAK & U.S.A.) nations share" and by way of sounding a note of warning her reported remarks "Kashmir was a time bomb that would not go away"; and

(c) if so, what is the reaction of Government thereto and what dipolomatic steps have been taken so far with USA and other friendly countries of the world before the ensuing meeting of UNHRC in Geneva?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI R. L. BHATIA): (a) Yes, Sir.

(b) Yes, Sir.

(c) The MEA official spokesman pointed out that India is committed to uphold human rights as part of her heritage and as enshrined in our Constitution and our laws. The proven role of Pakistan as a State sponsor of terrorism must be taken into account. We regret that no concern has been expressed for the human rights of the victims of the terrorists armed, trained and sent into Jammu and Kashmir by Pakistan. Government have been impressing upon the US and other Governments that the Pak-sponsored Resolution that the UNHRC is politically motivated and that they should vote against the Resolution.

Clinton's Reaffirmation of USA's Alignment with Pakistan over human rights in Kishmir

2296. SHRI SHIV PRATAP MISHRA:

DR. BAPU KALDATE:

SHRIMATI KAMLA SINHA:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the raking up of Human rights issue in Kashmir by US President Bill Clinton, reaffirming his country's alignment with Pakistan on the issue;

(b) if so, what is the reaction of Government with regard thereto; and

(c) what are the likely setbacks in the Indo-US relations as a consequence thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI R. L. BHATIA): (a) to (c) Government are aware of a statement by the US President regarding human rights in Kashmir. Government have conveyed that it is unfortunate that the remarks on human rights in Jammu and Kashmir have not taken into account the proven role of Pakistan as a State sponsor of terrorism. Government has regretted that no concern has been expressed for the human rights of the victims of the terrorists armed, trained and sent into Jammu and Kashmir by Pakistan. Government have emphasised that India is committed to uphold human rights as part of her heritage and as enshrined in our Constitution and laws.

While maintaining India's interests in all circumstances, Government continue to promote friendly, mutually cooperative and productive relations with all countries including the USA.

News Item Regarding Clinton's offer to PRO-ULTRA Kashmiris

2297. SHRI G. G. SWELL:

CHOWDHRY HARI SINGH:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state

(a) whether Government attention has been drawn to a news item "Clinton offers to work with pro-ultra Kashmiris' outfit" which appeared in the Indian Express, Delhi on 7th January, 1994;

(b) if so, what is the reaction of Government to it;

(c) whether Government lodged any protest to the US administration in this regard; and

(d) if so, the details thereof?